राज्य में मृदा

❑ रेतीली/बलुई मिट्टी

✓ शुष्क प्रदेश के जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, बीकानेर, नागौर, डीडवाना-कुचामन, चुरू, झुंझुनूँ।

✓ मोटा कण, नमी धारण की निम्न क्षमता।

✓ नाइट्रोजनी एवं कार्बनिक लवणों की अल्पता तथा केल्सियम लवणों की अधिकता।

✓ खरीफ की बाजरा, मोठ तथा मूँग की फसल हेतु उपयुक्त।

❑ लाल दोमट मिट्टी

✓ उदयपुर, सलूम्बर, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़।

✓ बारीक कण, नमी धारण की अद्‌भुत क्षमता।

✓ नाइट्रोजन, फस्फोरस एवं कैल्शियम लवणों की अल्पता तथा पोटाश एवं लौह तत्वों की अधिकता मक्का की फसल हेतु उपयुक्त।

राज्य में मृदा

❑ काली मिट्टी

✓ राज्य के दक्षिणी-पूर्वी भाग कोटा, बूँदी, बाराँ एवं झालावाड़।

✓ बारीक कण, नमी धारण की उच्च क्षमता।

✓ फॉस्फेट, नाइट्रोजन एवं जैविक पदार्थों की अल्पता तथा कैल्शियम एवं पोटाश की पर्याप्तता ।

✓ कपास व नकदी फसलों हेतु उपयुक्त ।

❑ मिश्रित लाल काली मिट्टी

✓ उदयपुर, सलूम्बर, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, भीलवाड़ा एवं शाहपुरा

✓ फॉस्फेट, नाइट्रोजन, कैल्शियम तथा कार्बनिक पदार्थों की अल्पता ।

✓ कपास तथा मक्का की फसल हेतु उपयुक्त।

❑ मिश्रित लाल पीली मिट्टी

✓ सवाईमाधोपुर, भीलवाड़ा, अजमेर, केकड़ी, ब्यावर, सिरोही।

✓ नाइट्रोजन, कैल्शियम एवं कार्बनिक यौगिकों की अल्पता तथा लौह ऑक्साइड्स की बहुलता।

राज्य में मृदा

❑ पर्वतीय मिट्टी

✓ अरावली की उपत्यका में सिरोही, उदयपुर, पाली, अजमेर, केकड़ी, ब्यावर, अलवर व खैरथल-तिजारा जिलों के पहाड़ी भागों में।

✓ मिट्टी की गहराई कम होने के कारण खेती के लिए अनुपयुक्त।

❑ भूरी मिट्टी

✓ भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, सवाईमाधोपुर।

✓ नाइट्रोजनी एवं फॉस्फोरस तत्वों का अभाव।

✓ बनास के प्रवाह क्षेत्र की मृदा।

✓ कृषि के लिये उपयुक्त।

❑ सीरोजम मिट्टी या धूसर मरुस्थलीय मिट्टी

✓ अरावली के पश्चिम में बांगड़ प्रदेश में पाली, नागौर, डीडवाना-कुचामन, जालौर।

✓ रंग पीला भूरा। उर्वरा शक्ति की कमी।

✓ नाइट्रोजन व कार्बनिक पदार्थों की कमी।

राज्य में मृदा

❑ जलोढ़/कछारी मिट्टी

✓ (नदियों द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी)

✓ अलवर, खैरथल-तिजारा, भरतपुर, डीग, धौलपुर, जयपुर ग्रामीण, कोटपूतली- बहरोड़, टोंक, सवाईमाधोपुर, कोटा, बूँदी।

✓ फॉस्फेट एवं कैल्शियम तत्वों की अल्पता तथा नाइट्रोजन तत्वों की बहुलता।

✓ जलधारण की पर्याप्त क्षमता व अत्यधिक उपजाऊ।

✓ गेहूँ, चावल, कपास तथा तम्बाकू के लिये उपयुक्त।

❑ लवणीय मिट्टी

✓ गंगानगर, अनूपगढ़, बीकानेर, बाड़मेर, बालोतरा, सांचौर व जालौर।

✓ क्षारीय व लवणीय तत्वों की अधिकता के कारण अनुपजाऊ।

✓ प्राकृतिक रूप से निम्न भू-भागों में उपलब्ध ।

राजस्थान सामान्य ज्ञान
वन लाइनर प्रश्न-उत्तर
500+ क्लिक करें एवं पढ़ें

राजस्थान सामान्य ज्ञान
लाइव क्लास की सभी पीडीएफ
फ्री डाउनलोड करें
क्लिक करके डाउनलोड करें एवं पढ़ें

नवीनतम राजस्थान GK
(टॉपिक वाइज नोट्स)
Free PDF
Click Here
RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
By - Aadarsh Sir

लाइव क्लासेज यहां से देखें
Click Here

Click Here

अन्य नोट्स PDF हेतु क्लिक करें
Click Here

हर नोट्स, मॉडल पेपर की लिंक यहां मिलेगी
Click Here